न्यूज डायरी

पाकिस्तान में कोरोना वायरस की चपेट में 4,322 लोग, और खराब होंगे हालात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में गुरुवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 248 मामले सामने आने के बाद देश में कुल संक्रमित लोगों की संख्या 4,322 तक पहुंच गई है। पाकिस्तान में अधिकारियों को दो सप्ताह के आंशिक बंद के बाद भी तेजी से फैलने वाले इस वायरस को रोकने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार इस संक्रमण से देश में अब तक 63 लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें से पांच की मौत तो एक ही दिन में हुई। अब तक कुल 572 लोग इस वायरस के संक्रमण से मुक्त हुए हैं। वहीं 31 लोगों की हालत नाजुक है। पंजाब में 2,171, सिंध में 1,036 और खैबर पख्तुनख्वा में 560, गिलगित बाल्टिस्तान में 213, बलूचिस्तान में 212, इस्लामाबाद में 102 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 28 मामले सामने आए हैं।

ट्रंप की धमकी पर बोला डब्ल्यूएचओ यह फंड कटौती का वक्त नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जिनेवा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तीखे हमले और फंड कम करने की धमकी के बाद अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अधिकारियों ने जवाब दिया है। उन्होंने चीन केंद्रित होने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि दुनिया जब कोरोना से लड़ रही है तो ऐसे समय में फंड कम करना उचित नहीं होगा। वहीं, डब्ल्यूएचओ चीफ ने अमेरिका और चीन से अपील की कि वे कोरोना वायरस महामारी से मिलकर निपटें। डब्ल्यूएचओ ने साथ ही कहा कि अंतरराष्ट्रीय एकता के बिना यहां कोरोना वायरस को नहीं हराया जा सकता । जिनेवा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संगठन के प्रमुख टेड्रोस एडनाहोम गेब्रयासुस ने कहा, अमेरिका और चीन को एक साथ आना चाहिए और इस खतरनाक दुश्मन से लड़ना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संगठन पर चीन पर बहुत अधिक केंद्रित होने का आरोप लगाते हुए उसकी आलोचना की थी, जिसके बाद टेड्रोस का यह बयान आया है।

कोरोना के खिलाफ अमेरिका के प्रवासी भारतीयों ने की एकजुटता की अपील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों ने भारत में सरकार की ओर से कोराना वायरस से निपटने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की है। प्रवासी भारतीयों ने भारत सरकार की कोशिशों को अपना समर्थन दिया है। साथ ही उन तमाम लोगों और संस्थाओं को सल्यूट किया है जो इस आपदा की स्थिति में अपने से ज्यादा मानवता को ध्यान में रखते हुए स्थिति से निपटने में लगे हैं। भारत सरकार की सराहना करते हुए कहा गया है, पीएम मोदी के नेतृत्व में इस आपदा से निपटने और लॉकडाउन के चलते परेशानों को कम करने के लिए सही समय पर उठाए गए बड़े कदमों की तारीफ होनी चाहिए। हम भारत के नागरिकों को भी सल्यूट करते हैं जिनके संयम, अनुशासन और सामाजिक जागरूकता का इस वक्त इम्तिहान चल रहा है।

अमेरिका में थम नहीं रहीं मौतें, शव दफनाने के लिए भी नहीं बची जगह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। अमेरिका में कोरोना वायरस के कारण एक ही दिन में 1,900 से ज्यादा लोगों की मौत के साथ जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 14,788 तक पहुंच गई। यहां मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में यहां के शव गृहों में भी शवों को रखने की जगह नहीं बची है। अमेरिका में कोरोना का केंद्र न्यूयॉर्क में अकेले 6,268 लोगों की मौत हुई है और 151,171 लोग संक्रमित पाए गए। इसके बाद न्यूजर्सी में 1,504 लोगों ने जान गंवाई और 47,437 मामले सामने आए। न्यूयॉर्क में तो बड़ी संख्या में लोगों के संक्रमित होने से अस्पतालों में भी जगह नहीं बची है। मुर्दाघर भी शवों से भरे हैं। वायरस के पॉजिटिव मामले दुनियाभर में अमेरिका में हैं।

जापान में एक दिन में 500 नए केस, भारत में हॉटस्पॉट सील

यूरोप से वापस एशिया लौट रही आपदा?

कहर

जापान में बुजुर्गों की भी बड़ी आबादी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तोक्यो। कोरोना वायरस ने सबसे ज्यादा तबाही यूरोप के देशों में मचाई और अब वहां हालात स्थिरता की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। हालांकि, चिंता की बात यह है कि अब इसका निशाना एक बार फिर एशिया बनेगा, ऐसे संकेत मिल रहे हैं।

दरअसल, चीन से शुरू हुई यह आपदा अब जापान और भारत में विकराल रूप लेती दिखाई दे रही है। खासकर जापान में हालात की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गुरुवार तक 24 घंटे में अब तक के सबसे ज्यादा 500 नए कोरोना पॉजिटिव मामले सामने आ गए हैं।

दुनिया की सबसे ज्यादा बुजुर्ग आबादीः जापान में प्रधानमंत्री शिंजो आबे पहले ही 7 जगहों पर आपातकाल का ऐलान कर चुके हैं। हालांकि, यह लॉकडाउन नहीं है, इसलिए हालात के और चिंताजनक रूप लेने की आशंका जताई जा रही है। जापान में बुजुर्गों की भी बड़ी आबादी है जो इस घातक वायरस का निशाना सबसे ज्यादा बनती देखी गई है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में कंपनियों ने घर से काम करना भी देर से शुरू किया। यहां तक कि तोक्यो की सड़कों पर लोग आम दिनों की तरह ही दिखाई दे रहे हैं। अब तक जापान में 4,667 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं और 94 लोगों की मौत हो चुकी है।

भारत में 166 मौतः भारत में 5,734 कोरोना पॉजिटिव मामले सामने आ चुके हैं और 166 लोगों की जान जा चुकी है। यहां पहले ही लॉकडाउन घोषित किया जा चुका है लेकिन बढ़ते मामलों को देखते हुए देश के कई शहरों में हॉटस्पॉट्स को सील किया जा रहा है। जिन इलाकों में कोरोना के ज्यादा मरीज पाए जा रहे हैं, उन्हें विशेष निगरानी में रखा जाएगा। फिलहाल देश में 14 अप्रैल तक के लिए लॉकडाउन जारी है जबकि ओडिशा की राज्य सरकार ने इसे बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दिया है।

सबसे ज्यादा मौतें इटली में: पूरी दुनिया की बात करें तो अब तक 1,519,571 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं जबकि 88,550 लोगों की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा इन्फेक्शन की चपेट में अमेरिका है। यहां 435,160 लोगो कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं और 14,797 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, स्पेन में 148,220 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए और 14,792 लोगों की मौत हो गई है। सबसे ज्यादा मौतें इटली में हुई हैं जहां कोरोना के चलते 17,669 लोगों की जान जा चुकी है।

चीन में सुधरते हालातः दूसरी ओर सबसे पहले कोरोना वायरस का सामना करने वाले चीन में अब हालात पटरी पर लौटते दिख रहे हैं।

जो बाइडन बनाम डोनाल्ड ट्रंप, जानें भारत के चेहरे पर क्यों लौटी मुस्कान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रैट्स के उम्मीदवार की रेस में आगे चल रहे बर्नी सैंडर्स के अपना नाम वापस लेने के साथ ही पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन के लिए रास्ता लगभग साफ हो गया है। बर्नी को भारत विरोधी माना जाता था। चुनाव में डेमोक्रैटिक पार्टी के बाइडन और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप के बीच कड़े मुकाबले के आसार हैं। कोरोना महासंकट से घिरे अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की तस्वीर लगभग साफ होती नजर आ रही है। डेमोक्रैट्स पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन और वर्तमान राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुकाबला अब तय माना जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम पर भारत सरकार भी करीबी नजर बनाए हुए है। भारत और अमेरिका के बीच संबंध इन दिनों नए शिखर पर हैं। इसी को देखते हुए दोनों के बीच अच्छे रिश्ते बेहद अहम हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के शासन काल में उप राष्टपति रहे जो बाइडन उन्हीं के स्वभाव के हैं। डेमोक्रैट्स का मानना है कि थोड़ा वामपंथी मध्यममार्गी रुझान वाली जो बाइडन की नीतियां डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक नीतियों को टक्कर देने के सबसे अच्छी हैं।

खाने के लिए तरसी अमेरिकी जनता, कारों की लगी लंबी लाइन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। कोरोना वायरस के वार से सुपरपावर अमेरिका बेहाल है। इस महामारी से अमेरिका में अब तक 14,795 लोगों की मौत हो गई है और 435,128 लोग संक्रमित हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अनुमान है कि दो लाख से ज्यादा लोग इस महामारी से मारे जा सकते हैं। अमेरिका में हालात इतने खराब होते जा रहे हैं कि लोगों को खाने के लिए तरसना पड़ रहा है। अमेरिका के पेन्सिलवेनिया राज्य में स्थित फूड पैंट्री में आमतौर पर 100 लोगों को खाना दिया जाता है। अब वहां एक ही दिन में 900 लोग पहुंच गए। यही हालत अमेरिका के वाशिंगटन और कई अन्य राज्यों में है।

कोरोना से लड़ने वाले डॉक्टरों को नहीं मिल रहे एन –95 मास्क, राष्ट्रपति पर भड़के

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पाकिस्तान में कोरोना की चपेट में 4317 लोग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोरोना वायरस के चलते न सिर्फ आम लोगों के लिए हालात चिंताजनक हैं, वहीं इलाज में दिन–रात मेहनत कर रहे डॉक्टरों तक को सेफ्टी इक्विपमेंट नहीं मिल रहे हैं। इस बीच राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी को एक बैठक में छ–95 मास्क पहने देखकर मेडिकल स्टाफ में आक्रोश है।

खासकर तब जब हाल ही में क्वेटा में सेफ्टी इक्विपमेंट की मांग करने वाले डॉक्टरों को पुलिस ने पीट दिया था। पाकिस्तान में अब तक 4317 लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं और 63 लोगों की मौत हो चुकी है।

अल्वी को नाराजगी का शिकार इसलिए भी होना पड़ रहा है क्योंकि सरकार ने निर्देश जारी किए थे कि ये मास्क सिर्फ उन मेडिकल स्टाफ के लिए हैं जो क्वारंटीन सेंटर्स और आइसोलेशन वॉर्ड्स में जाते हैं। यहां तक कि दूसरे डॉक्टर भी इन मास्क को नहीं पहन सकते। ऐसे में एक बैठक के दौरान अल्वी के मास्क पहनने पर डॉक्टर सवाल खड़े कर रहे हैं। पाकिस्तान मेडिकल असोसिएशन ने बिना अल्वी का नाम लिए बयान जारी किया कि आजकल नेता और नौकरशाह बैठकों और दौरों पर छ–95 मास्क पहनते हैं, जबकि मेडकिल स्टाफ के सामने मास्क और सुरक्षा उपकरणों की कमी है।

पीएम को लिखा खतः बयान में कहा गया, एन–95 मास्क हर किसी के लिए जरूरी नहीं है। यह सिर्फ क्वारंटीन और आइसोलेशन फसिलटीज में उन स्वास्थयकर्मियों के लिए जरूरी है जो कोरोना वायरस मरीज का इलाज कर रहे हैं और उन्हें इन्फेक्शन का खतरा होता है।इ उधर, पाकिस्तान यंग फार्मासिस्ट असोसिएशन ने क्वेटा में डॉक्टरों, नर्सों, फार्मासिस्टों और पैरामेडिक स्टाफ को पीटे जाने के खिलाफ प्रधानमंत्री इमरान खान को खत लिखा है।

सऊदी नीत गठबंधन ने यमन में संघर्ष विराम की घोषणा की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काहिरा। यमन में ईरान समर्थित हुती विद्रोहियों के साथ युद्ध कर रहे सऊदी नीत गठबंधन ने बुधवार को संघर्ष विराम की घोषणा की जो बृहस्पतिवार से शुरू होगा। यह एक ऐसा कदम है जिससे दोनों ही पक्षों के बीच पहली बार शांति वार्ता का रास्ता प्रशस्त हो सकता है। यमन में पिछले करीब पांच साल से युद्ध चल रहा है। सऊदी अरब की सरकारी समाचार एजेंसी में सऊदी के एक सैन्य प्रवक्ता कर्नल तुर्की अल–मल्की को यह कहते हुए उद्धृत किया गया है कि यह संघर्ष विराम दो सप्ताह का है और यह कोरोना वायरस महामारी के समय दुश्मनी रोकने की संयुक्त राष्ट्र की मांग के बाद आया है। यह संघर्ष विराम सभी पक्षों के बीच प्रस्तावों पर चर्चा करने, कदम उठाने और यमन में सतत संघर्षविराम के तरीके तलाश करने का रास्ता साफ कर सकता है ताकि यमन में राजनीतिक समाधान निकल सके। इस पर हुती नेताओं या यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस घोषणा के कुछ घंटे के भीतर ही यमन के मारिब प्रांत के लोगों ने कहा कि शहर के मध्य में एक रक्षा इमारत को निशाना बनाया गया है।